# व्यावसायिक प्रशिक्षण में जनसंख्या शिक्षा कार्यक्रम

परिचय
प्रशिक्षण
अवलोकन
पाठ्यक्रम
सम्मिलित राज्य
साझेदार
यूएनएफपीए
एमएचएफडब्ल्यू
हमसे सम्पर्क करें

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय, (डीजीईएवंटी) देश में उद्योगों के लिए कुशल एवं अर्ध-कुशल मानव शक्ति के विकास के लिए व्यावसायिक प्रशिक्षण योजना का क्रियान्वयन कर रहा है। मावन शक्ति के प्रमुख अंग शिल्पकार प्रशिक्षण योजना (सीटीएस) एवं शिक्षुता प्रशिक्षण योजना (एटीएस) के माध्यम से प्रशिक्षित हैं। शिल्पकार प्रशिक्षण योजना देश के विभिन्न भागों में राज्य सरकारों एवं निजी/न्यास/प्रबंधन इत्यादि द्वारा स्थापित औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों (आईटीआई'ज/आईटीसी'ज) में कार्यान्वयन किया जाता है। औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों के अधिकतम प्रशिक्षु वयस्कता की आयु में हैं। उनमें से अधिकतम ग्रामीण पृष्ठभूमि एवं समाज के कमजोर वर्ग से संबंधित हैं और प्रजनन समूह में प्रवेश करने की आयु की अवस्था में हैं, वे युवाओं का एक महत्वपूर्ण भाग निर्मित करते हैं जो अपने भविष्य एवं परिवार सृजित करने की दहलीज पर हैं। यह वह अवस्था है जब उन्हें प्रजनन स्वास्थ्य आवश्यकताओं, उत्तरदायी अभिभावकता, जिम्मेदारियों में भागीदारी एवं विपरित सैक्स के प्रति सकारात्मक व्यवहार जो उनके परिपक्वता के स्तर प्राप्त करने में सहायता करता है एवं उनको उत्तरदायी निर्णय लेने के योग्य बनाता है, जैसे सही-सही सूचना की आवश्यकता होती है।

उक्त परिदृश्य में, केन्द्रीय सरकार ने 1982 से जनसंख्या शिक्षा पर शिल्पकार प्रशिक्षण संस्थानों एवं शिक्षुता प्रशिक्षण योजना के लिए एक घटक के रूप में सामाजिक अध्ययन विषय निर्मित किया है। सामाजिक अध्ययन विषय में जनसंख्या शिक्षा घटक के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए भारत सरकार ने संयुक्त जनसंख्या निधि (यूएनएफपीए) के साथ एक अनुबन्ध पर हस्ताक्षर किए हैं।

रोजगार एवं प्रशिक्षण महानिदेशालय ने यूएनएफपीए की सहायता से प्रथम चरण में वर्ष 1988-1982 के दौरान 1000 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों से जनसंख्या शिक्षा पर 1032 अनुदेशकों को प्रशिक्षित किया है।

परियोजना के द्वितीय चरण के दौरान निम्न गतिविधियों का संचालन किया गया:-

1. विभिन्न राज्यों में परियोजना की गतिविधियों से समन्वय करने के लिए राज्य निदेशालयों के सहायक निदेशकों/उप निदेशकों के लिए एक अभिमुखी करण पाठ्यक्रम का संचालन किया गया। 18 राज्य सरकारों के समन्वयकों को प्रशिक्षित किया गया।
2. शिल्पकार प्रशिक्षण योजना के अधीन "सामाजिक अध्ययन" विषयों में जनसंख्या शिक्षा का एक घटक संस्थापित किया जा चुका है।
3. जनसंख्या शिक्षा पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों/केन्द्रों के 1490 अनुदेशकों को 6 दिवसों में प्रशिक्षित किया गया।
4. अनुदेशकों के लिए जनसंख्या शिक्षा पर प्रशिक्षण मैनुअल पीडीएफ पुस्तिका सहित प्रशिक्षण पैकेज, प्रशिक्षुओं के लिए पुस्तिका  एवं संसाधन व्यक्तियों के लिए गाइड पुस्तक pdf का विकास जनसंख्या एवं विकास पर अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन जो कैरो में हुआ की सिफारिशों के

आधार पर किया गया है। विचार विमर्श, सामूहिक परिचर्चा, स्थिति अध्ययन, प्रश्नोत्तरी, प्रश्न बॉक्स, प्रस्तुतीकरण इत्यादि जैसी सहभागिता प्रशिक्षण तकनीकों का प्रशिक्षण पाठ्यक्रमों के दौरान प्रयोग किया गया है। अनुदेशकों के लिए प्रशिक्षण नियम पुस्तिकाओं की प्रतियां एवं प्रशिक्षुओं के लिए पुस्तिका को, उन औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं जो परियोजना के अंतर्गत सम्मिलित हैं, को वितरित किया गया।

5. प्रशिक्षित अनुदेशकों को उनके संप्रेषण कौशल एवं आन्तरिक व्यक्तिगत संप्रेषण के सुधार के लिए सहभागिता प्रशिक्षण तकनीकों एवं संप्रेषण कौशल पर प्रशिक्षण दिया जा रहा है। यह उनको लिंगीयता एवं दूसरे संबंधित प्रकरणों पर सहजता एवं सरलता से व्याख्यान लेने में सहायता कर सकता है। सहभागिता प्रशिक्षण तकनीकों एवं संप्रेषण कौशल पर एक प्रशिक्षण नियम पुस्तिका को विकसित किया गया है।

**लाभ**

देश में 6.80 लाख की सीट क्षमता के 4600 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान/केन्द्र हैं। प्रतिवर्ष लगभग 4 लाख प्रशिक्षु औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थाओं/केन्द्रों से बाहर आते है जिन्हें जनसंख्या शिक्षा संबंधी प्रकरणों का सामना करने का अवसर प्राप्त होता है जो उन्हें उनके परिवार सृजन में सहायक होता है एवं सुरक्षित, स्वास्थ्यकर एवं अधिक सुखद भविष्य के सुनिश्चयन के लिए प्रसांगिक कौशल एवं उपकरणों से सुसज्जित होते हैं।